जेके पद्मपत सिंहानिया इंस्ट्टीटयूट ऑफ मैंनेजमेंट एण्ड टेक्नोलोजी

भोंडसी, दमदमा लेक रोड, गुड़गॉव

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

<u>''गुडगॉव के सोहना रोड पर देश के सबसे पुराने एवं बड़े औद्योगिक घराने 'जे0 के0 ग्रुप' द्वारा स्थापित जेके पद्मपत सिंहानिया इंस्ट्टीटयूट ऑफ मैंनेजमेंट एण्ड टेक्नोलोजी में पीजीडीएम पाठ्यक्रम का द्वितीय बैच 2009 आज से प्रारम्भ'' ।</u>

गुड़गॉव । दिनांक 18 जुलाई, 2009 । वर्ष 2008 में देश के सबसे पुराने एवं बड़े औद्योगिक घराने 'जे0 के0 ग्रुप' द्वारा स्थापित जेके पद्मपत सिंहानिया इंस्टीटयूट ऑफ मैंनेजमेंट एण्ड टेक्नोलोजी जो कि आखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, एआईसीटीई नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त है, में आज मैनेजमेंट पाठ्यक्रम 'पीजीडीएम' के द्वितीय बैच का उदघाट्न हुआ। इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष एवं जे0के0 ग्रुप के निदेशक श्री गोविंद हरि सिंघानिया जो कि पूर्व में देश के सबसे बड़े औद्यागिक परिसंघ 'एसोचैम' नई दिल्ली एवं आई0 आई0 टी0 कानपुर के बोर्ड ऑफ गर्वनर्स के अध्यक्ष भी रह चुके हैं, ने इस मौके पर दीप प्रज्जवलित कर नए सत्र का उदघाटन किया। उन्होंने अपने उदघाटन भाषण में बड़ी संख्या में देश के कोने कोने से आए अभिभावकों एवं विद्यार्थियों से आह्वान किया कि हाल ही में आई वैश्विक आर्थिक मंदी जिसमें भारत को इससे अलग नहीं रखा जा सकता, जिसका कि न केवल समूचे बाजार बल्कि लोगों पर भी इसका सीधा प्रभाव पड.ा है और ऐसे दौर में हमें इन चुनौतियों से कैसे निपटा जाए को भी मैनेजमेंट पाठयक्रम में शामिल किया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि इससे विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। उन्होंने अपने भाषण में नब्बे के दशक में अमेरिका में हुए 'ENRON EPISODE' और हाल में में सुर्खियों में आए 'THE LEHMON BROTHERS, USA' एवं 'सत्यम कम्पनी' का भी जिक्र किया। उन्होंने जीवन में 'नैतिक मूल्यों' के पालन पर भी विशेष बल देने को कहा।

इस अवसर पर उपस्थित संस्थान की निदेशक डा0 रीना रामचॅन्द्रन ने कहा '' जे0के0 ग्रुप द्वारा स्थापित यह मैनेजमेंट संस्थान श्री सिंघानिया का उच्च शिक्षा में उनकी रूचि को दर्शाता है। डा0 रामाचंद्रन ने कहा कि भारत एक सशक्त वैश्विक ताकत बनकर उभर रहा है और विश्व के सभी देश हमसे अपने संबध मजबूत करना चाहते हैं। उन्होंनें इस अवसर पर उपस्थित विद्यार्थियों को बताया कि हाल ही में एक अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी नें अपने सर्वे में भारत को “Employment Opportunities” में पहला स्थान दिया है । उन्होंने यह भी बताया कि आजकल 'हेल्थकेयर' , हासपिटैलिटी, लाजिस्टिक्स, इंटरटेनमेंट, मीडिया, पब्लिसिंग हाउसेस, केपीओ, बीपीओ एवं रूरल सेक्टर काफी तेजी से उभर रहे हैं और इनमें एक खास तरह की ट्रेनिंग की जरूरत होती है और इस संस्थान ने अपने पाठ्यक्रम में इसका विशेष ध्यान रखा है। उन्होंनं एक अच्छा 'मैनेजर' कैसे बना जाए के बारे में अपना अनुभव भी बताया। उन्होंने एक विशेष प्रोजेक्ट ''कारपोरेट सोसल रिसपांसिबिलिटी'' ''सीएसआर'' का भी जिक्र किया जिससे कि इन विद्यार्थियों को दो वर्ष के प्रशिक्षण के दौरान रूबरू होना पड़ेगा। इस प्रोजेक्ट के लिए विशेषकर भारतीय औद्योगिक परिसंद्य 'सीआईआई' ने अपने एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में जेके पद्मपत सिंहानिया इंस्टीटयूट ऑफ मैंनेजमेंट एण्ड टेक्नोलोजी को ही चुना है जिसमें यह विद्यार्थी ने केवल सीएसआर के बारे में बारीकी से जानेंगे बल्कि स्थानीय उद्योगों में कार्य करने का अनुभव भी ट्रेनिंग के दौरान ही मिलेगा।

डा0 रामाचंद्रन नें इस पाठ्यक्रम में ''चाइनीज भाषा'' की अनिवार्यता के बारे में भी बताया कि इसमें ''चीन के साथ बिजनेस कैसे करें '' को भी शामिल किया गया है। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान अन्य गतिविधियों के बारें में भी संक्षेप में बताया जो कि अभी एक सप्ताह चलेंगी जिसमें कि बड़ी बड़ी कम्पनियों के प्रमुखों का व्याख्यान भी शामिल हैं।

कृपया सम्पर्क करें –

संदीप राजपूत
कार्यकारी सचिव एवं जनसम्पर्क अधिकारी
जेके पद्मपत सिंहानिया इंस्ट्टीटयूट ऑफ मैंनेजमेंट एण्ड टेक्नोलोजी
मोबाइल नं0 9717773134